पंजाब केसरी 25/08/2025

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी अपनी संस्कृति की विविधता और समृद्धि को अनुभव करते हैं : डा. रोहित दत्त

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में हरियाणवी सांस्कृतिक विरासत का भव्य उत्सव आयोजित

अम्बाला, 24 अगस्त (बलराम): गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज, अम्बाला कैंट के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के डांस क्लब एवं संगीत विभाग द्वारा हरियाणा कला परिषद, हरियाणा सरकार के सहयोग से एक भव्य एवं अविस्मरणीय हरियाणवी सांस्कृतिक समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेंद्र शर्मा के विशेष सहयोग से आयोजित हुआ। इस अवसर पर हरियाणा कला परिषद की ओर से वरिष्ठ प्रतिनिधि विशाल चोपड़ा उपस्थिति रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते विद्यार्थी। (चंद्रमोहन)

विजेताओं को पुरस्कृत करते कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त। (चंद्रमोहन)

इस सांस्कृतिक महोत्सव का उद्देश्य हरियाणवी संस्कृति की अनमोल परंपराओं, लोककला एवं लोकनृत्यों को मंच पर सजीव करना और नई पीढ़ी तक इसकी समृद्ध धरोहर को पहुंचाना रहा। डा. पी.सी. जोशी मैमोरियल ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में दिनेश घरौंडा के नेतृत्व में प्रस्तुत हरियाणवी लोकनृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कॉलेज के विद्यार्थी, प्राध्यापक एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ इस सांस्कृतिक पर्व का आनंद उठाया।

कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कार्यक्रम की सफलता पर आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज सदैव शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन के लिए भी प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल छात्रों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से आत्मीयता के साथ जोड़ते हैं, बल्कि उनमें सामाजिक जिम्मेदारी, रचनात्मकता और सांस्कृतिक गौरव की नई चेतना भी जाग्रत करते हैं। यही नहीं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी अपनी संस्कृति की विविधता और समृद्धि को भी अनुभव करते हैं।

डा. दत्त ने कहा कि आज के वैश्विक युग में जहां परंपराएं तेजी से लुप्त हो रही हैं। ऐसे सांस्कृतिक समारोह हमारी जड़ों से जुड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे न केवल अपनी अकादमिक उपलब्धियों पर ध्यान दें, बल्कि अपनी सांस्कृतिक धरोहर को भी समान रूप से सम्मान और संवर्धन दें, ताकि वे भविष्य में समाज के जिम्मेदार, संस्कारवान और रचनात्मक नागरिक बन सकें।

कार्यक्रम संयोजक एवं युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के अधिष्ठाता डा. चंद्रपाल पूनिया ने बताया कि इस आयोजन का ध्येय युवाओं के हृदय में हरियाणवी कला एवं संस्कृति के प्रति जागरुकता और अनुराग जागृत करना है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ी रहें और हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजती रहें।

कार्यक्रम का मंच संचालन कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अमित तथा संगीत प्राध्यापिका डा. मंजीत कौर ने संयुक्त रूप से किया। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम की छवियों को छाया-चित्रों के रूप में संरक्षित करने का कार्य कॉलेज के जनसंचार विभाग के बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र अंश एवं पीयूष तथा प्रथम वर्ष के छात्र ईशान ने अपने कैमरों के माध्यम से किया। धन्यवाद ज्ञापन डा. अनीश ने प्रस्तुत किया।